



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (प्रसाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यसाधन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 15 नवम्बर, 1985/24 कार्तिक, 1987

हिमाचल प्रदेश सरकार

हि.प्र.सं.

कार्मिक (सतर्कता) विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-171002, 14 नवम्बर, 1985

सं० पर० (विज०) एफ-3 (पी० डब्ल्यू० डी०)-132/83.—1 अप्रैल, 1984 से 31 मार्च, 1985 की अवधि के दौरान सिचाई एवं लोक स्वास्थ्य की आवश्यकता से अधिक जी० आई० पाइप के क्रय करने और इस क्रय में की गई कतिपय अन्य अनियमितताओं के अभिकथन हैं ;

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की राय है कि इन अभिकथनों की जांच लोक आयुक्त, हिमाचल प्रदेश द्वारा की जानी चाहिए ;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश लोक आयुक्त अधिनियम, 1983 की धारा 15-क (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और लोक आयुक्त से परामर्श करने के उपरान्त, लोक आयुक्त, हिमाचल प्रदेश को जांच करने के अतिरिक्त कृत्य प्रदत्त करते हैं।

(1) क्या वर्ष 1984-85 के दौरान जी० आई० पाइप के क्रय के लिए, हिमाचल प्रदेश के सिचाई एवं लोक स्वास्थ्य विभाग द्वारा विहित प्रक्रिया और संवैधानिक-औपचारिकताओं का पालन किया गया था ?

- (2) क्या स्टॉक स्थिति और विभाग की वर्तमान तथा भविष्य की आवश्यकताओं और समस्त सम्बन्ध बातों जैसे कि लक्ष्य प्राप्ति तकनीकी विनिर्देशन, मण्डी परिस्थितियों इत्यादि, को ध्यान में रखते आदेशित/क्रय में किये गये जी०आई०पाइप की मात्रा न्यायायुक्त थी?
- (3) क्या उक्त आदेश/क्रय, निधि की उपलब्धता को ध्यान में रख कर किया गया था और क्या देने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति ली गई थी?
- (4) क्या पाइप युक्तियुक्त दर पर क्रय किए गए थे?
- (5) क्या 1 अप्रैल, 1984 और 31 मार्च, 1985 की अवधि के भीतर उक्त जी०आई०पाइप के अनियमित और/या अधिक क्रय के लिए विशिष्ट व्यक्ति उत्तरदायी थे और यदि ऐसा था तो ऐसा प्रत्येक व्यक्ति किस सीमा तक उत्तरदायी है?
- (6) उपर्युक्त अवधि के दौरान कथित पाइप के अनियमित और/या अधिक क्रय में कोई वित्तीय विवक्षा है तो क्या है?
- (7) कोई अन्य मामला जो जांच से सम्बन्धित या आनुषंगिक है।

2. लोक आयुक्त जांच के उपरान्त 31 दिसम्बर, 1985 को या उससे पूर्व अपना प्रतिवेदन सक्षम प्राधिकारी को करेगा।

राज्यपाल के नाम से और आदेश द्वारा,

[Authoritative English Text of this Department's Notification No. Per (Vig) F-3 (PWD)-132/83, dated the 14th November, 1985 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

Shimla-2, the 14th November, 1985

No. Per (Vig.) F-3 (PWD) 132/83.—Whereas there are allegations of purchase of G.I. pipes in excess of the requirements of the IPH and certain other irregularities made in these purchases during the period 1st April, 1984 to 31st March, 1985;

Whereas the Governor of Himachal Pradesh is of opinion that these allegations should be inquired into by the Lokayukta, Himachal Pradesh;

Now, therefore, the Governor of Himachal Pradesh, in exercise of the powers conferred on him by section 15-A (1) of the Himachal Pradesh Lokayukta Act, 1983 and after consultation with the Lokayukta, hereby confers on the Lokayukta of Himachal Pradesh the additional functions of inquiring:—

- (1) Whether the prescribed procedure and codal formalities for the purchase of G.I. pipes during the year 1984-85 were observed by the Irrigation and Public Health Department of Himachal Pradesh;
- (2) Whether the quantity of the G.I. pipes so ordered/purchased was justified in view of the stock position and current and future requirement of the Department and taking into account all the relevant factors viz., targets to be achieved, technical specifications, market conditions, etc.;
- (3) Whether the said orders/purchases took into account the availability of funds and whether concurrence of the Finance Department was obtained before placing the orders;
- (4) Whether the pipes were purchased at reasonable rates;
- (5) Whether any particular persons were responsible for irregular and/or excess purchases of the said G.I. pipes between 1st April, 1984 and 31st March, 1985 and if so, what is the extent of responsibility of each such person;
- (6) What, if any, are the financial implications of the irregular and/or excess purchases of the said pipes during the aforementioned period;
- (7) Any other matter which is connected with or incidental to the inquiry.

2. The Lokayukta shall, after inquiry, make a report to the competent authority on or before 31st December, 1985.

By order and in the Name of Governor.

शिमला-171002, 14 नवम्बर, 1985

संख्या पर0(विज0) एफ-3 (पी0 डब्ल्यू0 डी0)-132/83.—1 जनवरी, 1980 से 31 मार्च, 1983 की अवधि के दौरान लोक निर्माण विभाग (सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य) की आवश्यकताओं से अधिक जी0 आई0/सी0 आई0/एच0 डी0 पी0/एल0 डी0 पी0 पाइप और पाइप फिटिंग के क्रय करने और इस क्रय में की गई कतिपय अन्य अनियमितताओं के अभिकथन हैं ;

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की राय है कि इन अभिकथनों की जांच लोक आयुक्त, हिमाचल प्रदेश द्वारा की जानी चाहिए ;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश लोक आयुक्त अधिनियम, 1983 की धारा 15-क(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और लोक आयुक्त से परामर्श करने के उपरान्त लोक आयुक्त, हिमाचल प्रदेश को जांच करने के अतिरिक्त कृत्य प्रदत्त करते हैं :—

- (1) क्या 1 जनवरी, 1980 से 31 मार्च, 1983 की अवधि के दौरान सभी सम्बन्धित बातों को जैसा कि इन प्रत्येक वर्षों के लिए आरम्भिक स्टाक, प्राप्त किये जाने वाले लब्ध, तकनीकी विनिर्देशन, मण्डी परिस्थितियों आदि को ध्यान में रखते हुए जी0आई0/सी0आई0/एच0डी0 पी0/एल0 डी0 पी0 पाइप/पाइप फिटिंग का क्रय निकट भविष्य में हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग की आवश्यकता से अधिक नहीं था ?
- (2) क्या कथित क्रय, सम्बन्धित वर्षों में ऐसे क्रय के लिए स्वीकृत बजट आवंटन के भीतर किया गया था ?
- (3) क्या जी0 आई0/सी0आई0/एच0डी0 पी0/एल0 डी0 पी0 पाइप फिटिंग का क्रय व्यक्तिगत दर पर किया गया था ?
- (4) क्या पाइप/पाइप फिटिंग विभाग की आवश्यकता और विहित प्रमाण के अनुसार उपयुक्त विनिर्देशन और आकार के थे ?
- (5) क्या इस क्रय करने में सभी विहित प्रक्रियाओं और वैधानिक औपचारिकताओं का पालन किया गया था ?
- (6) क्या उक्त अवधि के दौरान क्रय किये गये पाइप/पाइप फिटिंग को क्षति होने से रोकने के लिए सही रूप में उनका भण्डारण किया गया था ?
- (7) क्या 1 जनवरी, 1980 से 31 मार्च, 1983 की अवधि के दौरान उक्त पाइप/पाइप फिटिंग के अनियमित और/या अधिक क्रय के लिए विशिष्ट व्यक्ति उत्तरदायी थे और यदि ऐसा था तो प्रत्येक ऐसा व्यक्ति किस सीमा तक उत्तरदायी है ?
- (8) उपर्युक्त अवधि के दौरान उक्त पाइप/पाइप फिटिंग के अनियमित और/या अधिक क्रय में कोई वित्तीय विवक्षा है तो क्या है ?
- (9) कोई अन्य मामला जो जांच से सम्बन्धित या आनुषंगिक हो।

2. लोक आयुक्त जांच के उपरान्त 31 दिसम्बर, 1985 को या उससे पूर्व अपना प्रतिवेदन सक्षम प्राधिकारी को करेगा।

राज्यपाल के नाम से और आदेश द्वारा,

ए0 के0 महापात्र,
सचिव।

[Authoritative English Text of this Department's Notification No. Per (Vig)F-3 (PWD)-132/83, dated 14th November, 1985 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

Shimla-2, the 14th November, 1985

No. Per. (Vig.) F-3 (PWD)-132/83.—Whereas there are allegations of purchase of GI/CI/HDP/LDP pipes and pipe fittings in excess of the requirements of the PWD (IPH) Department and certain other irregularities made in these purchases during the period 1st January, 1980 to 31st March, 1983;

Whereas the Governor of Himachal Pradesh is of opinion that these allegations should be inquired into by the Lokayukta, Himachal Pradesh;

Now, therefore, the Governor of Himachal Pradesh, in exercise of the powers conferred on him by section 15-A(I) of the Himachal Pradesh Lokayukta Act, 1983 and after consultation with the Lokayukta, hereby confers on the Lokayukta, Himachal Pradesh, the additional function of inquiring:—

- (1) Whether purchases of GI/CI/HDP/LDP pipes/pipes fittings made during the period from 1st January, 1980 to 31st March, 1983 were in excess of HP PWD's requirements in the near future, keeping in view all the relevant factors, such as, the opening stocks for each of these years, targets to be achieved, technical specifications, market conditions, etc.;
- (2) Whether the said purchases were made within the sanctioned budget allocation for such purchases in the relevant years;
- (3) Whether the GI/CI/HDP/LDP pipes /pipes fittings were purchased at reasonable rates;
- (4) Whether the pipe/pipes fittings were of suitable specifications and sizes as per requirement of the Department and the prescribed norms;
- (5) Whether all the prescribed procedures and codal formalities were observed in making these purchases;
- (6) Whether the pipe/pipes fittings purchased during the above-mentioned period were properly stored so as to avoid damage to them;
- (7) Whether any particular persons were responsible for irregular and/or excess purchases of the said pipe/pipes fittings between 1st January, 1980 and 31st March, 1983, and, if so, what is the extent of responsibility of each such person;
- (8) What, if any, are the financial implications of the irregular and/or excess purchases of the said pipe/pipes fittings during the aforementioned period; and
- (9) Any other matter which is connected with or incidental to the inquiry.

2. The Lokayukta shall, after inquiry, make a report to the competent authority on or before 31st December, 1985.

By order & in the name of the Governor,

A. K. MOHAPATRA,
Secretary.

जिमला-171002, 15 नवम्बर, 1985

संख्या पर०(विज०) ए-4(2)/83.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश लोक आयुक्त अधिनियम, 1983 (1983 का अधिनियम संख्यांक 17) की धारा 5 की उप-धारा (5) के अध्वयन महित उसकी धारा 16 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस विभाग की अधिसूचना संख्या पी० ई० आर० (बी० आई० जी०) ए-4-2/83, तारीख 3 फरवरी, 1984 के साथ राजपत्र (असाधारण) हिमाचल प्रदेश तारीख 14 फरवरी, 1984 में प्रकाशित हिमाचल प्रदेश लोक आयुक्त (सेवा की शर्तें) नियम, 1984 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश लोक आयुक्त (सेवा की शर्तें) (प्रथम संशोधन) नियम, 1985 है।

(2) ये नियम, राजपत्र हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 3 का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश लोक आयुक्त (सेवा की शर्तें) नियम, 1984 (जिसमें इसके परन्तु उक्त नियम कहा गया है) के विद्यमान नियम 3 का लोप किया जाएगा।

3. नियम 7 का संशोधन.—(क) उक्त नियमों में नियम 7 के प्रथम परन्तुक के अन्त में आने वाले “के सड़क या रेल द्वारा” शब्दों के स्थान पर “की एक पूरी बैगन के” प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(ख) नियम 7 के द्वितीय परन्तुक की दूसरी पंक्ति में आने वाले शब्द “सामान” के स्थान पर “सामान की पूरी बैगन” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(ग) नियम 7 के अन्त में निम्नलिखित स्पष्टीकरण जोड़ा जायेगा अर्थात्:—

स्पष्टीकरण.—इन नियमों के प्रयोजन के लिए शब्द "पूरी बंगन" के वे ही अर्थ होंगे जो "हाई कोर्ट जज ट्रेवलिंग अलाउंस रूल, 1956" के रूल 1-ए में उनके हैं।

4. नियम 10 का संशोधन.—नियम 10 की प्रथम पंक्ति में शब्द "जिनके लिए" और "इन नियमों" के बीच में माने वाले शब्द "अधिनियमों" का जोड़ किया जाएगा।

आदेश द्वारा,

ए० के० महापात्र,
सचिव (सर्वकृता)।

[Authoritative English text of Notification No. Per (Vig.)A(4)-2/83 dated 15th November, 1985 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

Shimla-171002, the 15th November, 1985

No. Per (VIG)A-(4)-2/83.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16 read with sub-section (5) of section 5 of Himachal Pradesh Lokayukta Act, 1983 (Act No. 17 of 1983), the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Lokayukta (Conditions of Service) Rules, 1984 published in the Extraordinary Gazette, Himachal Pradesh dated the 14th February, 1984 vide Notification No. Per(Vig.)A(4)-2/83, dated the 3rd February, 1984, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Lokayukta (Conditions of Service) (1st Amendment) Rules, 1985.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Himachal Pradesh Rajpatra.

2. Amendment of rule 3.—The existing rule-3 of the Himachal Pradesh Lokayukta (Conditions of Service) Rules, 1984 (hereinafter called the "said rules") shall be deleted.

3. Amendment of rule 7.—In the said rules:—

- (a) for the words "by road or rail" occurring at the end of the first proviso to rule-7, the words "up to a full wagon" shall be substituted;
- (b) for the words "baggage" occurring between the word "their" and "from the" in the second proviso to rule-7, the words "luggage upto a full wagon" shall be substituted; and
- (c) at the end of rule-7, the following explanation shall be added, namely:—

"Explanation.—For the purpose of these rules, the words "full wagon" will have the same meaning as given for these words in rule 1-A of the "High Court Judges' Travelling Allowance Rules, 1956".

4. Amendment of rule 10.—The words "the Act or" occurring in between the words "made in" and "these rules" in rule 10 of the said rules shall be deleted.

By order,

A. K. MOHAPATRA,
Secretary.